STOP

रुको!

हाल ही में, जब मेरे बच्चे हमारे अपार्टमेंट के बाहर खेल रहे थे तो उन्होंने बरामदे के किनारे चीटियों की एक कतार देखी । चीटियां एक जगह से दूसरी जगह खाना ले जा रही थी और मेरे बच्चे बड़ी ही जिज्ञासा से इन छोटे जीवों को देख रहे थे। वे इस दिलचस्प नज़ारे पर अपनी नजरें गाड़े हर एक हलचल को गौर से देख रहे थे। और अचानक उन्होंने देखा कि सफाईवाले ने बरामदे की दूसरी और से पानी के पाइप से पानी डालकर फर्श की सफाई करना शुरु कर दिया है। यह जानकर कि सफाईवाला जल्दी ही उस फर्श को भी साफ करेगा जहां ये चीटियाँ थी, बच्चे छोटी चीटियों को बचाना चाहते थे। उन्होंने चीटियों से बात करना शुरु कर दिया और चिल्ला-चिल्लाकर उन्हें बताने लगे कि वे रुके और दूसरी

ओर सुरक्षित स्थान पर जाए। लेकिन उन्हें निराश होना पड़ा क्योंकि चीटियाँ उन्हें सुन नहीं पा रही थी और वे उसी रस्ते पर चलती रहीं जब तक सफाईवाले ने फर्श पर पानी नहीं डाल दिया। बच्चों ने जब देखा कि पानी के बहाव में चीटियाँ बहकर निचे आ गाई हैं तो उन्हें बहुत दुःख हुआ। चीटियों के साथ जो कुछ हुआ उसे बताने के लिए वे तुरंत अपनी मां की ओर भागे और उन्होंने पूछा कि चीटियों ने उनकी बात क्यों नहीं सुनी। उनकी मां ने उन्हे समझाया कि चीटियां तब ही हमारी बात सुन सकती हैं जब हम उनके जैसे बनेंगे और बच्चों से पूछा कि क्या वे उन छोटी चीटियां बन कर छोटे-छोटे गड्ढों में रहना चाहते हैं। उन दोनों ने तुरंत मना कर दिया और मां से कहा कि वे कभी भी उन चीटियों कि तरह नहीं बनना चाहते । उस समय उनकी मां ने थोड़ा रुककर उन्हें एक प्रश्न पूछा, ''क्या तुम जानते हो यीशु ने तुम्हारे लिए क्या किया है?''

प्रिय मित्रों, यही सवाल मैं आज आप लोगों से पूछना चाहता हूं, ''क्या आप जानते हें कि यीशु कौन है और उसने आपके लिए क्या किया है?'' मैं आपको यह सवाल इसलिए नहीं पूछ रहा हूं क्योंकि मैं आपको किसी धर्म का प्रचार कर रहा हूं। नहीं। मैं इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि आपका जीवन उन चीटियों से करोड़ों बार ज्यादा मूल्यवान है। आपने शायद यीशु का नाम सुना होगा लेकिन क्या आप सचमुच जानते हैं कि वह कौन है और उसने आपके लिए क्या किया है?

हम मानवजाति बिल्कुल उन चीटियों कि तरह हैं जो पाप के भारी बोझ को अपनी पीठ पर लेकर चल रहे हैं और नहीं जानते कि हम नाश की और जा रहे हैं। हम उस पाप के बोझ के कारण निराश, दुखी, कष्टदायक और आशारहित जीवन जीते हैं। पाप सिर्फ पृथ्वी पर हमारे जीवन को ही नाश नहीं

करता, लेकिन हमें हमेशा के लिए परमेश्वर से दूर करता है कि हम अनंतकाल के लिए नर्क की आग में दुःख भोगे। हमारे शब्दों, विचारों और व्यवहार का पाप चाहे वह कितना भी छोटा क्यों ना हो उसका परिणाम हमेशा भयानक ही होता है। उन चीटियों की तरह हमने भी परमेश्वर जो कहना चाहता था उसे नहीं सुना। हमें किसी ऐसे व्यक्ति की जरुरत थी जो हमारी तरह हो, जो हमें पापमय रास्तों के खतरों को बता सके और हमें उन से बचा सके। बाइबिल कहती है कि सारी मनुष्यजाति उन भेड़ों की तरह है जो अपना मार्ग भटक गए हैं और जो अपने पापमय रास्तों पर चले गए हैं (यशायाह 58:3) । लेकिन परमेश्वर ने हमे वैसे ही नही छोड़ा ।

बाइबिल कहती है:

- परमेश्वर स्वयं मनुष्य बना ताकि हमें समझने में मदद कर सके कि वह हम से कितना प्यार करता है और हमारी चिंता करता है (यूहन्ना 1:14 और 3:16) ।
- परमेश्वर अपनी सारी महिमा, आदर, सामर्थ और अधिकार छोड़कर मनुष्य बन गया ताकि हमें अनंतकाल के जीवन का रास्ता दिखा सके (फिलिप्पियों 2:7)।
- परमेश्वर मनुष्य बना ताकी जो अपने पापमय मार्गों में खो गए हैं उन्हें बचाकर उनका उद्धार कर सके (लूका 19:10)।
- परमेश्वर मनुष्य बना ताकि आपको नाश होने से रोक सके और आपको शैतान के चुंगल से बाहर निकाल सके (1यूहन्ना 3:8)।
- परमेश्वर मनुष्य बना ताकि हमे एक पवित्र, नम्र, ईमानदार और परमेश्वर को प्रसन्न करवेवाले जीवन का नमूना दिखा सके (इब्रानियों 4:15)।
- परमेश्वर मनुष्य बना ताकि पाप के कारण उसके साथ

हमने जो संबंध खो दिया था उसे फिर से स्थापित कर सके (कुलुस्सियों 1:13)

और उस मनुष्य का नाम है ''यीशु मसीह'' जिसने दावा किया कि वह सारी मानवजाती के लिए मार्ग, सत्य और जीवन है। ना स्वर्ग में और ना पृथ्वी पर यीशु के सिवा और कोई ऐसा नाम है जो आपको शरीर, मन और आत्मा के नाश होने से बचा सकता है। बिना यीशु के द्वारा, कोई भी पापों की क्षमा और पाप पर विजय पाने का अनुग्रह प्राप्त नहीं कर सकता । उसने हमारे पाप के बोझ को अपने ऊपर ले लिया और हमारी जगह पर क्रूस पर मरा। उसने अपने शरीर में पाप और मृत्यु पर विजय प्राप्त की। वह आज जीवित है और आपको ''रुकने'' और उसकी ओर फिरने के लिए बुला रहा है ताकि आपको सही आशा, प्रेम, आनंद और शांति दे सके।

प्रिय मित्रों, क्या आप ''रुककर'' उसकी ओर फिरेंगे? मैं आपसे बिनती करता हूं कि अपने जीवन के प्रति बेपरवाह न बनें। अगर आप गंभीरता से पश्चाताप करने, विश्वास करने और उसकी आज्ञा मानने के लिए तैयार हैं तो यीशु आपको और अपकी परिस्थिति को पूरी तरह बदल सकता है। आप फिर ऐसे नहीं रहेंगे । पक्का !

परमेश्वर आपको आशीष दे!

पुछताछः

Singapore Hindi Christian Fellowship

Block 316C, Yishun Ave 9, Unit 14-166 Singapore 763316

Email: shcf.contact@gmail.com

Ph: +65-97704224